Prajapita Brahma Kumaris IshwariyaVishwaVidyalaya
Rajyoga Bhawan, Sector 33-A,Chandigarh,
Ph. 2601339, Mob. 9417777656

ब्रह्माकुमारीज़ ने की ग्लोबल फेस्टीवल की भव्य लॉचिंग

चण्डीगढ़, 4.10.2009–परमात्म शक्तियों एंव वरदानों की प्राप्ति के सुन्दर विषय को लेकर ग्लोबल फेस्टीवल का शुभारम्भ सैक्टर–34 में एक भव्य समागम के आयोजन के साथ हुआ । समागम में पंजाब के मुख्य मन्त्री प्रकाश सिंह बादल मुख्य अतिथि थे । चण्डीगढ़ के साथ साथ पंजाब व हरियाणा से भी हजारों की संख्या में लोग फेस्टीवल में भाग लेने पहूँचें । कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय मुख्यालय, राजयोग भवन, सैक्टर–33 द्वारा किया गया ।

पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट के जज ए.एन. जिन्दल, रोटरी इन्टरनैशनल के जिला गवर्नर चेतन अग्रवाल, चण्डीगढ़ की पूर्व मेयर हरजिन्द्र कौर तथा प्रसिद्ध पंजाबी एक्टर मेहर मित्तल विशेष अतिथि थे।

मुख्य मन्त्री प्रकाश सिंह बादल ने कहा कि एक ईश्वर ही सर्व शक्तियों का भण्डार है । हम आज ईश्वर के उसूलों को छोड़ते जा रहे हैं और पैसे की दौड़ में अपनी राह भटक गए हैं । ईमानदारी की कमाई में जितनी खुशी है उतनी दूसरी में नहीं । परमात्मा के वरदानों से बढ़कर दूसरी कोई चीज नहीं । उन्होंने भ्रुण हत्या, नशे व समाज में खत्म हो रहे रिश्ते नातों पर गहरी चिन्ता व्यक्त की । यदि हम स्वंय को परमात्मा की सन्तान मान लें तो भी समाज में हो रही गिरावट खत्म हो सकती है । ब्रह्माकुमारी बहनें गांव–गांव में जाकर परमात्मा का सन्देश पहूँचा कर समाज पर बहुत परोपकार कर रही हैं । मैं हर साल ब्रह्माकुमारी बहनों से राखी बंधवा कर आशीर्वाद प्राप्त करता हूँ । उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा की जा रही समाज की सच्ची सेवा की हृदय से प्रशंसा करते हुए लोगों को उन शिक्षाओं को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया ।

समागम में अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में ब्रह्माकुमारी संस्था के धार्मिक प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा तथा उत्तराखण्ड स्थित सेवाकेन्द्रों की निदेशिका महा तपस्वनी राजयोगिनी प्रेमलता दीदी ने कहा कि अध्यात्म ही स्वंय को जानने का एक रास्ता है । स्वंय का परिवर्तन किए बिना विश्व का परिवर्तन करना असम्भव है । परमात्मा की अपार शक्तियों एंव वरदानों की अनुभूति के लिए ईश्वर की शिक्षाओं पर चलना होगा । सच्चा सुख व सन्तोष भौतिक प्राप्तियों व बाहरी उपलब्धियों में नहीं बल्कि आन्तरिक उपलब्धियों में है । मन की अशान्ति, तनाव व परेशानी का कारण नकारात्मक विचार है ।

आक्सफोर्ड से आए वरिष्ठ राजयोगी एंव मैनेजमैंट कन्सल्टैंट ब्रह्माकुमार एन्थोनी फिलिप ने कहा कि सभी प्रकार के मानवीय प्रयासों के बावजूद विश्व की समस्याएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं । ऐसे समय में परमात्म शक्तियों की इन्सान को बहुत जरूरत है । ब्रह्माकुमारी संस्था ने मुझे तनावपूर्ण जीवन से निज़ात दिलाकर खुशनुमः जीवन जीने की कला सिखाई ।

हॉलैंड से आई राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी जैक्यूलिन बर्ग ने कहा कि आज जब मनुष्यों की बुद्धि क्रोध, लोभ व अंहकार रूपी विकारों से ग्रसित हो गई है ऐसे में सर्व शक्तिमान परमपिता परमात्मा ही एकमात्र स्रोत हैं जो अपनी शक्तियों एंव वरदानों से सम्पूर्ण संसार को सुख और शान्ति प्रदान कर सकते हैं । आध्यात्मिकता को जीवन में अपनाने से हमारा जीवन दिव्य गुणों से महक जाता है । भारत आकर मुझे अपने घर जैसा महसूस होता है ।

संस्था के पंजाब ज़ोन की क्षेत्रीय अध्यक्षा ब्रह्माकुमारी अचल दीदी ने विशाल जन समुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान व ईश्वरीय शक्तियों से हम अपने जीवन से बुराईयों को दूर कर सकते हैं । ईश्वर की याद में किया गया काम हमें हर कदम पर सफलता दिलाता है ।

समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार भ्राता अमीरचन्द जी ने कहा कि हम अपनी अन्तरात्मा की अवाज़ को सुने, बुराईयों को छोड़ें, नेक काम करें, सबको खुशी बांटे तो ईश्वर के वरदान हमारा जन्मसिद्ध अधिकार बन जाएंगें । हमें प्रभू से वरदान मांगने की आवश्यकता नहीं, इसके लिए हमें खुद को योग्य व पात्र बनाना होगा ।

समागम में 51 राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सामुहिक राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया गया । अनेक कलाकारों के द्वारा रुह को राहत देने वाले कई भक्ति गीत संगीत के कार्यक्रमों द्वारा श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया गया ।

प्रो0 ओंकार चन्द
मीडिया संयोजक–9417777656

ब्रह्मकुमारी अचल दीदी
ज़ोनल प्रमुख